>

Title: Shortage of ATMs in the country.

श्री अशोक अर्गल (भिंड): माननीय सभापति महोदय, मेरा विषय एटीएम मशीनों के लगाने से संबंधित है। मैं भिंड संसदीय क्षेत्र से आता हूँ, जिसमें दतिया भी आता है जो कि चम्बल संभाग का क्षेत्र है। मैंने प्रायः अपने संसदीय क्षेत्र में देखा है कि एटीएम मशीनों में इतनी भीड़ होती है, जिसकी कोई सीमा नहीं।

सभापति महोदय : अर्गल जी, टीवी में रोज़ दिखा रहे हैं कि वहां एटीएम में फ्रॉड बहुत हो रहा है। एक बैंक के एटीएम से सवा करोड़ रूपये निकाल लिए गए हैं।

श्री अशोक अर्गल : उसके लिए सरकार को और व्यवस्थाएं करनी चाहिए। देश में कई बेरोजगार हैं, उनको एटीएम मशीनों पर रोजगार देना चाहिए। काफी सुधार किया जा सकता है। मैं यह चाहता हूँ कि एटीएम मशीनों की जो भीड़ लगती है, वह दूर हो। मैंने यह भी देखा है कि बड़े-बड़े गांव और कस्बों में एटीएम नहीं है। गांवों में किसान रहता है, वह अन्नदाता होता है। अन्नदाता के क्षेत्र में कहीं भी मशीनें नहीं लगाई जाती हैं। बड़े-बड़े शहरों और प्रमुख जगहों पर एटीएम मशीनें लगाई जाती हैं। मैं केन्द्र की सरकार से यह चाहता हूँ कि शहरों के साथ-साथ गांवों में भी एटीएम मशीनें लगाई जाएं। जो भीड़ लगती है, उसका सर्वे कराएं कि ये भीड़ क्यों लगती हैं, मशीनें क्यों खराब रहती हैं। यही मेरा विषय है, मैं चाहता हूँ कि इसमें सुधार किया जाए।